

Discuss the significance of the introduction
of Brahmachari in the Drama Swapnavasarddham?

→ यहांसे लग विषय 'ब्रह्मवासवद्दद्धम्' लाइज़-पर
राजवाच, उद्योग देव, वाचवद्दाव, प्राप्ति ब्रह्मवासवद्द
वाचवद्दाव जाही— लोकेष्वा अतीते अनुभव है
~~अतीते~~ २५७, अतीते लाइज़-पर आज अनुभव
होती देखते पाति रही है : परी राजवाच अनुभव
राजवाच उद्योग वाच अचिकाव कर लिल, वाजा दिया
प्राचिवाद मन्त्र, अभाव औ अनुभवित लिया लावान्त्र शास
उत्तमामध्येय राजवाच उद्योग लिल, अब चिकित्सा
त्रिष्णुष्टी, द्वार्णीति एव प्रचिनभृती लोकाल्पवायन स्वद्व
सत्त्वाङ्गु शुनकिभारद्वल्प विक्षेप उपर्यु राय उठलेन,
निव लवलेन — एकान्त रामन्त्र उद्योग शल कार्तिक
दक्षायन रामन्त्र रामन्त्र अवक्षय, प्रवक्ष लक्ष्मीपु
राजा दक्षायन रामन्त्र रामन्त्र द्वाजा तो ये ये
अनुभव है, उत्तरिताक्षय एव अक्षीयताव स्वद्व जैर्णी
शाम, उद्योग एव रामन्त्र रामन्त्र अवक्षय पत्रुया
राय, शुण्डक्षय प्रदृष्टे द्विवद्युग्म वलेन्द्र, २५
उत्तरिताक्षय राजा रामन्त्री रामन्त्र शुभेन्द्र वलेन्द्र,
सुज्ञा, रामन्त्र रामन्त्र एव रामन्त्री विनिमय रामन्त्र
शल रामन्त्र रामन्त्र रामन्त्र रामन्त्र रामन्त्र एव
रामन्त्र शल प्रियं वाचवद्दाव एव, वाजा उद्योग
लिठ्ठु ० एजाब रामन्त्र, वाचवद्दाव सीरित आजा
उत्तरिताक्षय रामन्त्र वाजा उद्योग प्रदृष्टे प्रत्यावेद्युत
हुएन ना, विनी ० लीन्द्रुष्टिभृत्यन् द्वार्णीति शुभी
लोकाल्पवायन वाचवद्दाव रामन्त्र लिम्प देव जापन
प्रविष्टेन त्रिती लवलेन, एव विविष्टेन लिम्प २५—
क्षुद्रावय विद्वा वाजा उद्योग मृत्युमय रामन्त्र रामन्त्र
लोकाल्पवायन लायान्द्रेन श्रामन अविद्युतान लवलेन
२५१ विद्या शुज्य द्वार्णीति लिलेन है, वाचवद्दाव अक्षीय
लोकाल्पवायन देव एव एव उद्योग रामन्त्र रामन्त्र

ଓ ଅନ୍ତିମ ଯୋଜନାମଧ୍ୟ ପ୍ରାନ୍ତଗୁଡ଼ କରାନେ, ଆଖପଥ
ଯୋଜନାମଧ୍ୟ ବ୍ରାହ୍ମଣ ପରିବାରଙ୍କୁ ଏକ ଶିଳ୍ପ କରେ ଅନ୍ତିମର
ଦୂରବ୍ୟବସାୟିକ ବାଚକ୍ୟାବ୍ୟବ ମଧ୍ୟ ଲିଖି ଆମନେ କାର୍ଯ୍ୟ କରିଲୁ
ଅନ୍ତିମ ଘର ଆଖରାନେ ଏହି ଶିଳ୍ପକୁ ହାଲେନ,

କେବଳ ଅନ୍ୟାର ସବୁ ପଢ଼ୁଣିଥିବ ଯାଇଲା
ମେହେ ପୋଜନରୀଯାମ ଆମତେ ଲାଗିଲେ ଏ, ମଜାରିସବୁଳା ପଚାରତୀ ପାଇଁ
ଏ ଅଭ୍ୟାସ ହାତମାତାର ଯାଦିଲାଇ, ତିନି ଆଦ୍ୟ ଯୋହେଇ ଆମିମାନଙ୍କ
କୁହର, ଦ୍ଵାଜା ଶିଖି ପରିଷ୍ଠା, କୁପ୍ରତ୍ୟୁଷ ଅଶ୍ଵାକରଣତୀ ଏବଂ ଅପରାଧର
ଶୁଭ୍ୟତତ୍ତ୍ଵର ଦା କବି ଆଦିର ପ୍ରାଞ୍ଚିଲ ପୂର୍ବାଳ ମନ୍ଦିରର ଘରେଇଲ, ପୋଜନରୀଯାମ
ଲମଳା ଦେଖି କୁବରନ୍ଧୂପାତା, ଅଛି ତିନି ଆର କାହାର ଉପରିଷ୍ଠାତ ୨୦୫
ବଳିର, " ଏକମ କବିଜଳ ସାଧି, ଏକମ ଅମାର ଦେଖି ପ୍ରାଞ୍ଚିତତ୍ତ୍ଵର
କ୍ରମି ଅନ୍ତିମରେ ମଜାର ହାତମାତାର ଯାଦ କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା ଏବଂ ପାଇଁ
ଏହିତ କାହାର ଦେଖି ଏହି, କାହାର ଏହି ଏହିଦାର ମନ କବି
କାହିଁତ କାହାର ଦେଖି ଏହି, ଏହିକାହାର ଏହିକାହାର ଏହିକାହାର ଏହିକାହାର
କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା

ইতিমুক্তি লাভন এ যেতে পৰি প্ৰয়োগী অসমৰ
প্ৰকৃতজ্ঞানৰ যৰ লাভন এ গ্ৰাহ পৰি চৰ্ষিতৰী বাৰ্তাপৰি অভিন্নতা
অধীন অবস্থাক পৰি পৰি উচ্চাব অৱস্থাৰ জীৱন মনীষী পোজনৰ অনুমতি
প্ৰাপ্তিৰ আবেদনে প্ৰয়োগী বৰ্ণনা বৰ্ণন কৰিবলৈ দৰ বাসৰ
কৃতিৰ অভিন্নতাৰ সোকে কিমূল হৰ্য হৰ্য অশীল প্ৰাপ্তিৰ
কৃতি কৃতিৰ মূল অভিন্ন অভিন্নন, এই প্ৰাপ্তিৰ প্ৰচণ্ডিত পৰি
কৃতি ঘৰি, কিমূল পৰি অভিন্ন বিলাপ অৱস্থাৰ মুক্তিৰ হৰ্য
পত্ৰ, কিমূল পৰি অভিন্ন অভিন্নন, বাসৰ অৱস্থাৰ পত্ৰ পত্ৰিকাৰ্য কিমূল
কৃতি অভিন্ন, কিমূল কৃতিৰ অভিন্নতাৰ পত্ৰ সোকে অৱস্থাৰ
বৰ্ণনাৰ পত্ৰ কৃতিৰ পত্ৰ অভিন্নতাৰ পত্ৰ সোকে অৱস্থাৰ
অভিন্নতাৰ পত্ৰ অভিন্ন অভিন্ন পৰি মনীষী পোজনৰ অভিন্নতাৰ
অৱস্থাৰ পত্ৰে কিমূল হৰ্য, we may therefore speak
in one voice that 'the deep love of Udayana for
varavadatta invests his character with a halo of
Superiority towering far above the qualities of his
head and heart.'